No. of Printed Pages : 4 **MSK–004**

एम. ए. (संस्कृत) (एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.एस.के.-004 : आधुनिक संस्कृत साहित्य और साहित्यशास्त्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभाजित है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

निर्देश: *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।*

$4 \times 15 = 60$

1. उपाख्यानमालिका के क्रम में अभिनवशाकुन्तलम् नामक तृतीय उपाख्यान का वर्णन कीजिए।

2. काव्यालंकारकारिका के आधार पर साहित्यशास्त्र में काव्य-लक्षण की विवेचना कीजिए।

3. आचार्य रेवाप्रसाद द्विवेदी के मन्तव्य में काव्य-प्रयोजनों का वर्णन कीजिए।

4. पण्डिता क्षमाराव के रचना-संसार का विस्तृत वर्णन कीजिए।

5. निम्नलिखित श्लोक की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

इत्याकर्ण्यसुधारसिकरां मीरा प्रतस्थे ततः
श्रीवृन्दावनमाशुतप्तसिकता दुर्गाह धन्वान्तरम्।
गायन्ती मधुरस्वरं गिरिधरत्वामन्तरानापरः
सत्यप्रेमधरो ममाशिवहरश्चेतोहरः श्रीकरः॥

6. 'जानकीजीवनम्' में कवि की क्या उद्भावनाएँ हैं ? सोदाहरण वर्णन कीजिए।

7. विविध विषयगत रचनाओं का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए तथा सिद्ध कीजिए कि आधुनिक संस्कृत में वैविध्यपरक रचनाएँ हुईं।

8. आधुनिक संस्कृत साहित्य में पद्य-रचना विधा पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—ख

निर्देश: *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।*

$4 \times 10 = 40$

1. पठित अंश के आधार पर अनूदित साहित्य का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

2. निम्नलिखित श्लोक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

प्रदीपहारावलिराजितापुरी
नवा वधूटीव दधेवगुण्ठनम्
समुल्लसत्स्थासक चारुकल्पनै–
र्नखक्षतानि प्रकटं विरेजिरे॥

3. 'जानकीजीवनम्' के छठे तथा सातवें सर्ग का सारांश लिखिए।

4. आधुनिक काव्य-विधाओं में नाट्यरचना का वर्णन कीजिए।

5. काव्य की आत्मा सम्बन्धी वैचारिकी या सैद्धान्तिकी पर टिप्पणी लिखिए।

6. रेवाप्रसाद द्विवेदी के मत में काव्य हेतु का समीक्षात्मक वर्णन कीजिए।

7. अभिराज राजेन्द्र का परिचय लिखिए।

8. मीरा लहरी के प्रतिपाद्य पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

× × × × × × ×